

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours

100 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

भाग क

प्रश्न एक

- १.१ नीरू ने कबीर को पाया ।
- १.२ तालाब के पास ।
- १.३ नीरू की पत्नी नीमा है ।
- १.४ नीरू बनारस के पास रहता है ।
- १.५ वे एक बच्चे चाहते थे।
- १.६ वे एक बहुत ही विद्वान पंडित हैं ।
- १.७ वह अपनी खुशी को समाहित नहीं कर सकी ।
- १.८ इन दोनों घाट की सीढ़ियों पर मिले थे ।
- १.९ कबीर ने कहा कि भगवान मंदिर-मस्जिद में नहीं रहते हैं, वे सबके दिल में रहते हैं । हम भगवान के संतान हैं और सारी दुनिया के इंसान एक हैं ।
- १.१० हिंदु और मुसलमान आपस में लड़ने लगे ।
- १.११ कबीर एक सच्चे इंसान थे और भगवान पर समर्पित थे ।

प्रश्न दो

निम्नलिखित सवालों के उत्तर दिजिए ।

- २.१ २.१.१ की
 २.१.२ पर
 २.१.३ में
- २.२ २.२.१ उसकी बहन का नाम सीता है ।
 २.२.२ नल से पानी मिलते हैं ।
- २.३ २.३.१ आदमी
 २.३.२ भिखारी
- २.४ ईन शब्दों के बहुवचन में लिखिए ।
 २.४.१ सिढ़ियाँ
 २.४.२ बच्चे
- २.५ २.५.१ भूतकाल
 २.५.२ वर्तमान काल
 २.५.३ भविष्यत काल
- २.६ २.६.१ बढ़ई
 २.६.२ अध्यापिका

२.७ २.७.१ माँ और बच्चे, भाई, बेहन

२.७.२ घर में / कमरे में / गराज में

२.७.३ कुरता / जर्सी / जैकेट

२.७.४ हैरान / दुखी / उदास / चिंतित

२.७.५ माँ बच्चे की मदद मांगती है ।

२.७.६ सर्दी

२.७.७ कपड़े को वायु और धूप में डालना चाहते थे ।

२.७.८ सूटकेस

भाग ख

साहित्य

प्रश्न ३ : कविता

३.१ चित्रकार और चित्र

३.१.१ एक सुनसान जगह, जंगल में ।

३.१.२ " तुरंत उड़ गए होश "

चित्रकार बहुत डर गया क्योंकि वह अपना समान उठाकल भाग गया ।

३.२ बापू के प्रति

मौत के बाद हम हमेशा चुप हैं लेकिन हमारे जीवन की कहानी अभी भी हमारे लिए बोलती है । अपने कर्मों से, अपने जीवन से जो पथ आपने दिखाया है, वह हमें मोक्ष की ओर ले जाएगा ।

३.३ हमारा प्यारा भारतवर्ष

सूर्य की किरणों ने भारतवर्ष का अभिनन्दन सुबह किया और उसको हीरों का हार पहनाया । जब सूर्य का उदय हुआ, तो उसकी किरणों पृथ्वी पर चमकी और सब कुछ जगमगा उठा । ओस की बूँदें हीरे की तरह चमकती हैं ।

३.४ राम जनम

वह कहते हैं कि अनेक ब्रह्मांड आपके रोम में हैं, यह वेद कहते हैं । आप मेरे गर्भ में रहे, यह सुनकर लोग हँस रहे हैं । जब माता को ग्यान हुआ तब भगवान मुस्कुराया । तब पूर्व जन्म की कथाएँ सुनाकर माता को समझाया जससे पुत्र स्नेह प्राप्त हो ।

प्रश्न ४ : कहानी

४.१ इच्छा शक्ति

४.१.१ धीरजसिंह एक खज़ांची था ।

४.१.२ वह बहुत ही कंजूस थे ।

४.१.३ उसने पत्नी से कहा कि भिक्षु के लिए एक छोटा सा पूड़ा बना दो ।

४.१.४ भिक्षु ने कहा कि हम जिस भावना से करते हैं, फल भी वैसा ही मिलता है ।

हम हमेशा सच्चे मन और दिल से अपने काम करना है । तब हम उसकी लाभ मिलेंगे ।

४.२ शिवाजी

४.२.१ आहमद नगर और बीजापुर

४.२.२ शिवाजी का मन पढ़ने लिखने में न थे । वे तीर मारने, तलवार चलाने और घोड़े की सवारी करने बहुत पसंद थे । उसके दादाजी से उन्हें रामायण और महाभारत की कथाएँ सुनते थे।

४.३ अर्गल की वीर रानी

४.३.१ रानीजी बहुत रूपवती थी । वह दयालु थी । वह दिन दुखियों को दान भी बहुत दिया । वह अपने राजा की बड़ी सेवा करती थी । वह अपने प्रजा के सुख-दुःख पर ध्यान रखती थी ।

४.३.२ रानी बहुत खुश हुआ । रानी ने गरीबों और अनाथों को बहुत सा धन और वस्त्र दान दिया ।

कुल अंख : १००